भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3192
दिनांक 18 दिसंबर 2025

उत्तर प्रदेश में सीबीजी और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं का विस्तार

3192. श्री धर्मेन्द्र यादवः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश में कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं की स्थापना एवं विस्तार हेतु सरकार की मासिक/वार्षिक लक्ष्य योजना का ब्यौरा क्या है;
(ख) आगामी तीन वर्षों के दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में कितने संयंत्रों/परियोजनाओं के चालू होने की संभावना है;
(ग) मंत्रालय की कौशल विकास योजनाएँ सीबीजी और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं के सुचारू संचालन और रखरखाव के लिए अजा/अजजा/अपिव श्रेणी के युवाओं को ट्रेनिंग और स्थायी रोज़गार देने में किस तरह योगदान दे रही हैं; और
(घ) विगत दो वर्षों के दौरान इन योजनाओं के माध्यम से प्रशिक्षित एवं रोजगार प्राप्त युवाओं की जिला-वार संख्या कितनी है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ) सरकार ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में संपीड़ित जैवगैस (सीबीजी) संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गोबर्धन पहल के अंतर्गत कई मंत्रालयों और विभागों को शामिल करते हुए "सरकार का समग्र" दृष्टिकोण अपनाया है। सीबीजी परियोजनाओं हेतु अनुकूल पारिस्थिकी तंत्र को तैयार करना ही सरकार की भूमिका है। उद्यमियों और अन्य इच्छुक कंपनियों द्वारा सीबीजी संयंत्रों की स्थापना उनके अपने तकनीकी-वाणिज्यिक आकलन के आधार पर की जाती है। तदनुसार, उत्तर प्रदेश में सीबीजी परियोजनाओं की स्थापना अथवा विस्तार करने के लिए किसी भी प्रकार का कोई मासिक अथवा वार्षिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

गोबरधन पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 36 सीबीजी परियोजनाएं कार्य कर रही हैं तथा 70 परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

इसके अलावा, सरकार, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को क्रियान्वित कर रही है जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन और उसके व्युत्पन्नों के उत्पादन, उपयोग और निर्यात हेतु एक वैश्विक केंद्र को बनाना है। उत्तर प्रदेश सरकार ने हरित हाइड्रोजन नीति -2024 को अधिसूचित किया है जिसका उद्देश्य निवेश- से जुड़ी हुई सुविधा के माध्यम से प्रति वर्ष लगभग 10 लाख मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन प्राप्त करने के समग्र लक्ष्य के साथ राज्य में हरित हाइड्रोजन/हरित अमोनिया पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन प्रदान करना है, जिसमें कोई भी मासिक अथवा वार्षिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीएनईडीए) ने सूचित किया है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में दो हरित हाइड्रोजन परियोजनाएं स्थापित की गई हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) कोई भी समर्पित कौशल विकास योजना लागू नहीं करता है। हालांकि, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने सूचित किया है कि स्किल इंडिया

मिशन (एसआईएम) के तहत, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीयशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) और शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) जैसी योजनाओं के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआईज) द्वारा कौशल, पुनर्कौशल तथा उन्नत कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ये योजनाएं उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों को शामिल करती हैं। एमएसडीई ने सूचित किया है कि देश भर में इसकी विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के 2 करोड़ से भी अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

इसके अलावा, एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने वर्ष 2024 में सीटीएस के तहत "ग्रीन हाइड्रोजन प्रोडक्शन टेक्नीशियन" नामक एक पाठ्यक्रम विकसित किया है ताकि कार्यबल को ग्रीन हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के उत्पादन, प्रचालन तथा रखरखाव हेतु आवश्यक कौशल से सुसज्जित किया जा सके।

यूपीएनईडी ने सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश हरित हाइड्रोजन नीति-2024 में अनुसंधान, प्रौद्योगिकीय विकास और मानव संसाधन क्षमता के निर्माण को समर्थन प्रदान करने के लिए आईआईटी-बीएचयू, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर और अन्य तकनीकी संस्थानों के सहयोग से दो उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना का प्रावधान किया गया है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सूचित किया है कि सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा संस्थान (एसएसएसएनआईबीई), कपूरथला, एमएनएरई का एक स्वायत्त संस्थान है जो जैवगैस और सीबीजी पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

विगत दो वर्षों के दौरान सीबीजी और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित और नियोजित युवाओं के जिला-वार आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते हैं। हालांकि, विगत दो वर्षों के दौरान एमएसडीई योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिला-वार कुल संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

*****

अनुलग्नक

'उत्तर प्रदेश में सीबीजी और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं का विस्तार' के संबंध में दिनांक 18.12.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3192 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पिछले दो सालों में एमएसडीई योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में कुल प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की ज़िले-वार संख्या

ज़िला	पीएमकेवीवाई (वर्ष 2024-25 से 2025-26 तक दिनांक 31.10.2025 तक)	जेएसएस (वर्ष 2024-25 से 2025-26 तक दिनांक 31.10.2025 तक)	एनएपीएस (वर्ष 2024-25 से 2025-26 तक दिनांक 31.10.2025 तक शामिल प्रशिक्षु)	सीटीएस (सत्र 2023-24 से 2024-25 तक नामांकित अभ्यर्थी)
आगरा	28,112	2,200	2,521	18,889
अलीगढ़	12,616	2,335	830	13,905
अंबेडकर नगर	3,873	2400	374	10,034
अमेठी	1,572	2047	402	4,140
अमरोहा	4,891	-	551	7,213
औरैया	3,863	-	272	2,566
अयोध्या	3,608	2121	509	14,624
आजमगढ़	19,237	-	1,015	23,502
बागपत	2,021	-	120	2,497
बहराइच	3,582	2312	234	2,210
बलिया	6,278	2399	531	15,590
बलरामपुर	3,458	-	113	1,440
बाँदा	2,471	2440	389	5,035
बाराबंकी	2,362	2020	830	7,790
बरेली	14,549	2,140	1,339	10,272
बस्ती	3,135	2,279	317	5,904
भदोही	1,784	2,033	197	5,200
बिजनौर	13,993	-	293	5,699
शाहजहांपुर	3,876	-	258	4,690
बुलंदशहर	13,226	-	432	7,861
चंदौली	4,782	2,114	747	8,168
चित्रकूट	4,508	1,860	135	2,000
देवरिया	4,707	2,180	303	14,819
एटा	4,255	-	340	5,478
इटावा	2,360	1,920	462	4,512
फर्रुखाबाद	5,409	780	169	3,967
फतेहपुर	2,367	2,900	124	5,561
फिरोजाबाद	8,462	2,579	362	8,785
गौतम बुद्ध नगर	7,490	2,478	77,442	5,634
गाजियाबाद	6,578	1,958	6,009	5,043
गाजीपुर	12,367	-	608	32,012
गोंडा	1,461	1,940	461	4,056
गोरखपुर	16,111	2,140	2,108	26,451
हमीरपुर	262	-	210	3,498

हापुड़	3,834	-	591	7,478
हरदोई	2,746	2280	708	5,174
हाथरस	6,166	-	272	9,653
जालौन	1,128	1780	174	5,612
जौनपुर	6,707	1940	1,152	24,862
झांसी	5,057	-	1,414	13,620
कन्नौज	2,242	-	119	2,735
कानपुर देहात	2,351	1,900	966	3,993
कानपुर नगर	11,259	2,220	2,498	15,661
कासगंज	4,816	-	214	5,784
कौशाम्बी	1,684	2041	143	4,782
खेरी	3,433	-	341	5,180
कुशीनगर	4,400	-	293	6,681
ललितपुर	4,624	-	323	3,018
लखनऊ	17,837	4633	11,500	15,812
महोबा	815	-	210	2,992
महाराजगंज	5,914	-	320	4,611
मैनपुरी	3,728	-	163	5,875
मथुरा	26,500	-	575	23,381
मऊ	7,339	2560	380	15,815
मेरठ	10,338	-	2,185	10,071
मिर्जापुर	10,577	2178	475	13,715
मुरादाबाद	15,698	-	1,577	7,333
मुजफ्फरनगर	6,767	-	605	5,467
पीलीभीत	7,299	1960	358	3,285
प्रतापगढ़	2,953	2159	250	6,168
प्रयागराज	12,782	4700	2,571	31,087
रायबरेली	1,904	1700	500	5,268
रामपुर	3,357	-	486	2,658
सहारनपुर	14,550	1320	1,490	17,525
संभल	1,068	-	383	1,936
संत कबीर नगर	3,096	-	215	5,544
शाहजहांपुर	6,331	1757	744	3,555
शामली	1,888	-	144	3,513
श्रावस्ती	694	2516	115	861
सिद्धार्थनगर	1,983	1880	176	1,832
सीतापुर	3,563	-	499	4,650
सोनभद्र	10,557	2340	1,315	9,905
सुल्तानपुर	2,751	1960	382	11,158
उन्नाव	982	2439	1,666	4,590
वाराणसी	18,872	4500	2,931	18,183
कुल	**4,90,216**	**1,00,338**	**1,42,430**	**6,50,068**

(स्रोत: गोवर्धन पोर्टल)

****